भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1252

गुरूवार, 5 दिसम्बर, 2024/14 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

बिहार में थीम आधारित सर्किट

1252 श्री संजय कुमार झा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्वदेश दर्शन योजना के तहत बिहार में थीम आधारित सर्किटों का ब्यौरा क्या है और इसके लिए कितनी धनराशि स्वीकृत की गई है;

(ख) क्या सरकार देश में स्वदेश दर्शन योजना के तहत और अधिक सर्किटों को, विशेष रूप से बौद्ध थीम के तहत, शामिल करने पर विचार करेगी, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि पिछले पांच वर्षों से देश भर में बड़ी संख्या में युवा कलाकारों को 'युवा कलाकार छात्रवृत्ति योजना' के तहत सरकार से लाभ मिल रहा है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ख): हालांकि पर्यटन गंतव्यों एवं उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है, पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)' और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से बिहार राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को योजना दिशा-निर्देशों के साथ समन्वय, निधियों की उपलब्धता आदि के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास के उनके प्रयासों को संपूरित करता है। पर्यटन मंत्रालय ने बिहार राज्य में अपनी 'स्वदेश दर्शन' योजना के तहत 5 परियोजनाओं और 'प्रशाद' योजना के तहत 2 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन गंतव्यों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है और बिहार राज्य में 'गया' और 'नालंदा' को विकास के लिए गंतव्यों के रूप में चिह्नित किया है।

भारत सरकार ने 'पूंजीगत निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना 2024-25' (एसएएससीआई) के तहत बिहार में 2 पर्यटन परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है।

स्वदेश दर्शन, प्रशाद और एसएएससीआई के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची **अनुबंध** में दी गई है।

(ग) और (घ): सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में एक स्वायत्त संगठन है जो, विभिन्न प्रदर्शनी, साहित्यिक और दृश्य कला के स्वरूपों के माध्यम से प्रदर्शित की जा रही व्यापक, विविध और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए छात्रवृत्ति और फैलोशिप योजनाएं लागू कर रहा है।

'विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को छात्रवृत्तियां (एसवाईए) प्रदान करने' की योजना को भी वर्ष 2014 में आंशिक रूप से सीसीआरटी को हस्तांतरित कर दिया गया है, जिसके तहत भारतीय शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय नृत्य, लाइट शास्त्रीय संगीत, रंगमंच, दृश्य कला और लोक/पारंपरिक एवं स्वदेशी कलाओं के क्षेत्र में अग्रिम प्रशिक्षण के लिए 18 से 25 वर्ष के आयु वर्ग में 400 छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। प्रत्येक स्कॉलर को यात्रा, पुस्तकों, कला सामग्री या अन्य उपस्करों तथा ट्यूशन या प्रशिक्षण प्रभारों आदि संबंधी अपने निर्वाह के व्यय को पूरा करने हेतु दो वर्ष की अवधि के लिए प्रति माह 5000/-रु. (मात्र पांच हजार रु.) का भुगतान किया जाता है। इसका विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	**वर्ष**	**प्रदान की गई छात्रवृत्तियों की संख्या**
1	2019-20	400
2	2020-21	400
3	2021-22	400
4	2022-23	4,533 आवेदन प्राप्त हुए हैं।
5	2023-24	अभी तक विज्ञापन जारी नहीं किया गया है।

*****

अनुबंध

श्री संजय कुमार झा द्वारा बिहार में थीम आधारित सर्किट के संबंध में दिनांक 05.12.2024 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न सं. 1252 के भाग (क) से (ख) के उत्तर में **विवरण**

बिहार राज्य में स्वदेश दर्शन, प्रशाद और एसएएससीआई के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	**योजना**	**थीम और स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	स्वदेश दर्शन	तीर्थंकर परिपथ 2016-17	वैशाली-आरा- मसद- पटना- राजगीर-पावापुरी- चंपापुरी का विकास	33.96
2.		आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	कांवरिया मार्ग: सुल्तानगंज -धर्मशाला-देवघर का विकास	44.76
3.		बौद्ध परिपथ 2016-17	बौद्ध परिपथ का विकास- बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	95.18
4.		ग्रामीण परिपथ 2017-18	भितिहरवा- चंद्रहिया- तुरकौलिया का विकास	44.27
5.		आध्यात्मिक परिपथ 2017-18	मंदार हिल और अंग प्रदेश का विकास	44.55
6.	प्रशाद	2015-16	पटना साहिब में विकास	29.62
7.		2014-15	विष्णुपद मंदिर में मूलभूत सुविधाओं का विकास	3.63
8.	'पूंजीगत निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना 2024-25'	2024-25	“मत्स्यगंधा झील, सहरसा का विकास"	97.61
9.			"करमचट इको-पर्यटन एवं एडवेंचर हब"	49.51

*****